

खाने से पहले, शौच के बाद।
साबुन-राख से धोयें हाथ।।





unicef 

कब तक जानवरों की जिंदगी
जीते रहोगे



अगर रोग से है मुक्ति पाना, खुले में शौच कभी न जाना।



unicef 

**दूषित जल और गंदगी,
लाये बिमारी, दुखी जिंदगी।**



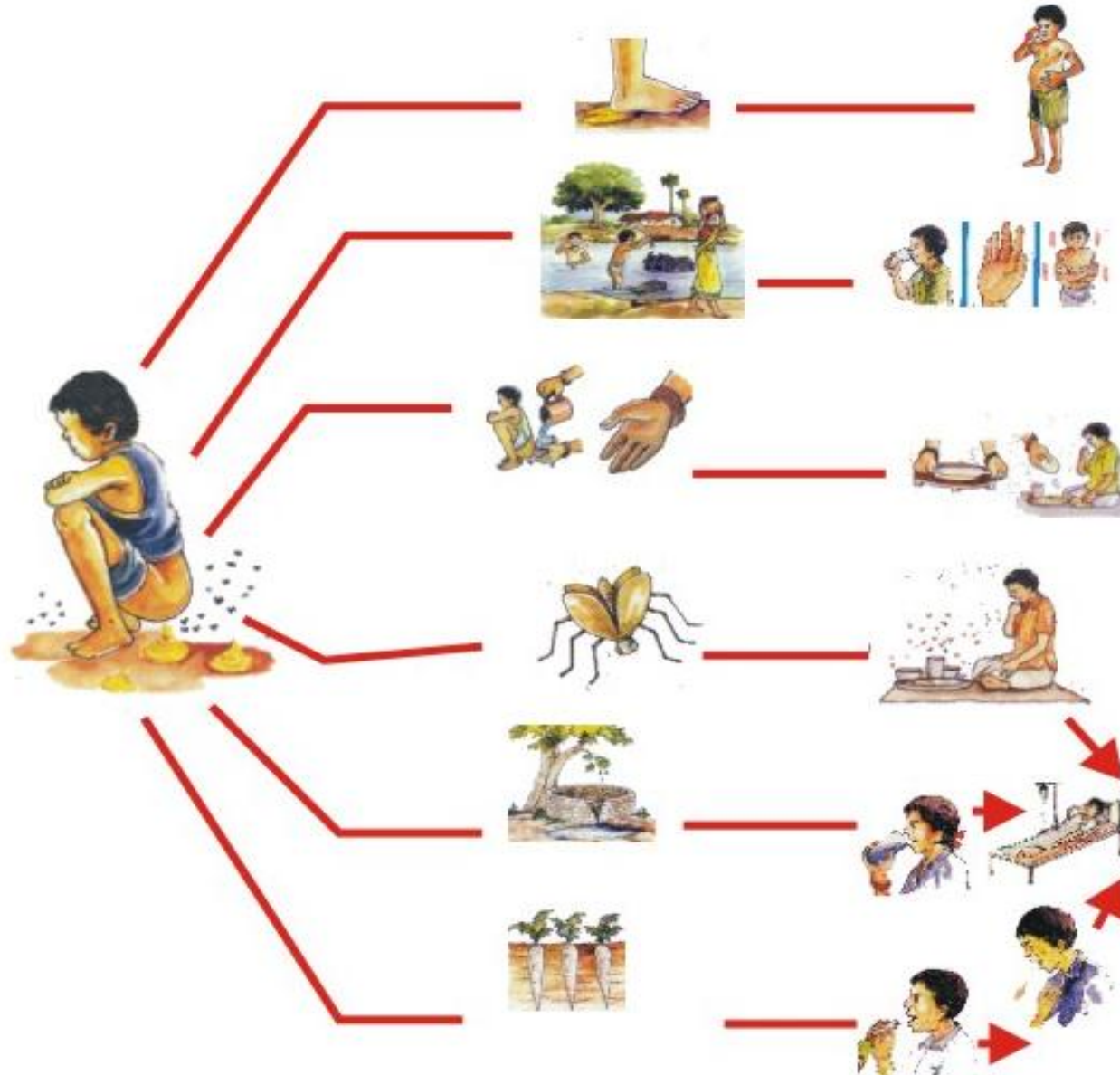
हम सबको रखना है ध्यान, मल का हो समुचित निपटान।

खाने में मजा है, पीने में मजा है।
सफाई हो तो जीने में मजा है।।

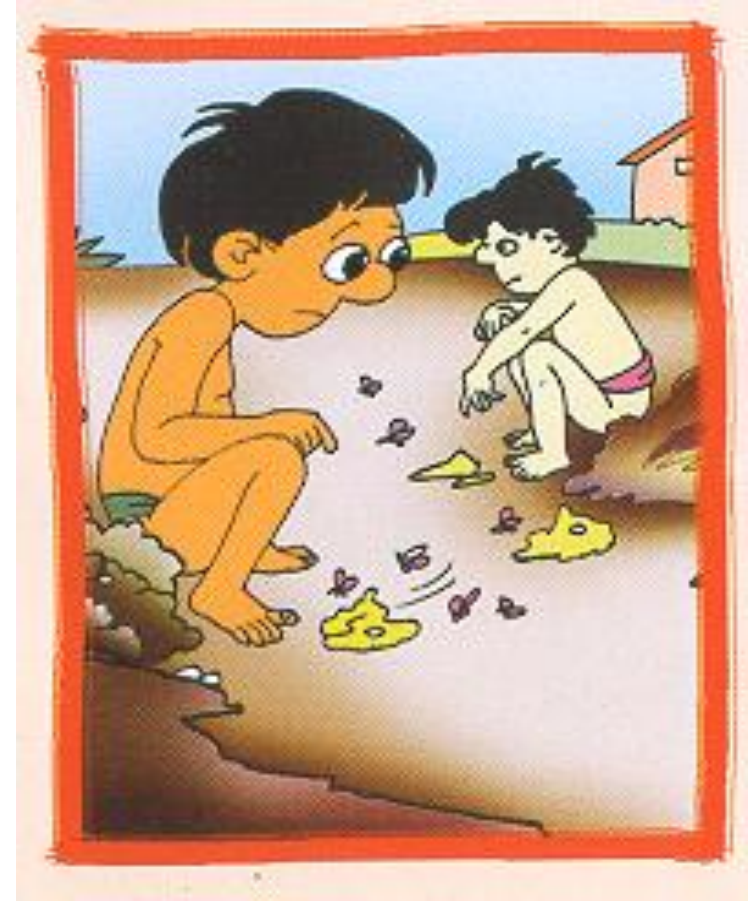


unicef 

मानव मल के वाहक



खुले में शौच :



नहीं चलेगा.....

शौचालय का सही रख-रखाव



शौचालय के बाहर हमेशा पानी भरा घड़ा या बाल्टी रखें, जिसे शौच के लिए एवं शौचालय को साफ रखने के लिए करें।

शौच के पूर्व पैन को थोड़ा सा पानी डालकर गीला कर दें। यह मल को पैन से चिपकने से रोकता है।



शौच करते समय ध्यान दें कि मल पैन पर ही गिरें। शौच के बाद 2 लीटर ; 2 लोटा पानी से मल बहा दें।

दिन में एक बार पैन को ब्रश या झाडु से साफ करें।



भोजन से पहले, शौच के बाद,
साबुन से हम धोएं हाथ ।

